वैश्विक अध्ययन केंद्र

दिल्ली विश्वविद्यालय

दिल्ली - 110007

संश्लेषण

(सी जी एस हिंदी मासिक पत्रिका)

मुख्य कथ्य- 'पर्यावरण संरक्षण : वैश्विक सरोकार एवं संकल्प'

मानव सभ्यता के विकास ने व्यक्ति के जीवन को सरल एवं सुगम बनाने के साथ जीवन व्यतीत करने के विभिन्न विकल्प उपलब्ध किए हैं। वैज्ञानिक प्रगति व तकनीकी विकास से हमें उत्पादन एवं उपभोग के विभिन्न स्रोत प्राप्त हुए हैं। निश्चित रूप से आज हम जिस प्रकार के भौतिक परिवेश में रह रहे हैं वह कई रूपों में उत्कृष्ट हैं। यह प्रगति एवं विकास का मानवीय पक्ष है जो हर रूप में सकारात्मक ही प्रतीत होता है। परंतु, जब हम इसके दूसरे पक्ष की ओर देखते हैं तो वह अधिक नकारात्मक एवं निराशाजनक दिखाई पड़ता है। यह प्रकृति एवं पर्यावरण का पक्ष है। निरंतर हो रही वैज्ञानिक प्रगति एवं तकनीकी विकास ने जिस जीवन शैली को विकसित किया वह प्रकृति एवं पर्यावरण के सर्वथा प्रतिकूल है। विश्व समुदाय भी इस तथ्य को स्वीकार करता है तथा विभिन्न अवसरों पर इस संदर्भ में अपनी चिंताएँ भी व्यक्त करता रहा है। परंतु इस दिशा में वह किसी ठोस एवं दूरगामी उपाय पर नहीं पहुँच पाया है। एक ओर विभिन्न देशों के मध्य पर्यावरणीय संरक्षण से संबंधित विषयों पर राजनीति देखी जा सकती है, वहीं दूसरी ओर सामाजिक स्तर पर पर्यावरण संरक्षण को लेकर जनता आंदोलनरत रही है। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या पर्यावरण संरक्षण को लेकर वैश्विक सरोकारों एवं संकल्प वास्तव में गंभीर हैं अथवा यह विषय भी विकसित बनाम विकासशील का युद्धक्षेत्र मात्र बनकर रह गया है? प्रस्तुत कथ्य ऐसे ही कुछ प्रश्नों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के विविध पक्षों के विश्लेषण पर केंद्रित गंभीर लेखन की अपेक्षा करता है।

लेखकों के लिए आवश्यक निर्देश

लेख मुख्य कथ्य '**पर्यावरण संरक्षण : वैश्विक सरोकार एवं संकल्प**' के किसी भी आयाम पर आधारित होना चाहिए।

1. लेख हिंदी भाषा में ही स्वीकृत होंगे।
2. टिप्पणियों एवं संदर्भों सहित लेख 2000 शब्दों तक सीमित होना चाहिए।
3. समस्त टिप्पणियाँ एवं संदर्भ लेख के अंत में सम्मिलित किए जाने चाहिए।
4. लेख निम्न प्रारूप के अनुसार होना चाहिए:

   क) अक्षर (फॉन्ट) - कृतिदेव 011 एवं यूनिकोड

   ख) अक्षर आकार - 14

   ग) पंक्ति अंतराल - 1.5

   घ) संदर्भ प्रारूप - ए पी ए शैली

5. लेख मौलिक होना चाहिए। प्रत्येक लेख केंद्र के साहित्यिक चौर्य सॉफ्टवेयर (Plagiarism Software) द्वारा जाँच के पश्चात ही समीक्षा के लिए समीक्षकों को अग्रेषित होगा। निर्धारित मानक (10 प्रतिशत) से अधिक साहित्यिक चौर्य की स्थिति में आलेख अस्वीकृत कर दिया जाएगा।
6. लेखक का नाम, पद तथा संस्थागत संबद्धता प्रथम पृष्ठ पर ही होना चाहिए।
7. सह-लेखन केवल दो लेखकों तक ही सीमित है। लेखक / सह-लेखक किसी भी रूप में केवल एक ही लेख प्रेषित कर सकते हैं।
8. लेखक/कों को एक प्रख्यापन / घोषणापत्र (संलग्न) देना होगा, जिसमें उन्हें यह घोषित करना होगा कि उनका यह लेख पूर्ण रूप से मौलिक है तथा अन्यत्र न तो प्रकाशित हुआ है तथा न ही प्रकाशन के लिए अन्यत्र प्रेषित किया गया है।
9. लेख को स्वीकृत अथवा अस्वीकृत करने का अंतिम निर्णय संपादक मंडल का ही होगा।
10. प्रकाशित लेख वैश्विक अध्ययन केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली की बौद्धिक संपदा होगा।

लेख प्रेषण:

लेख (घोषणा पत्र सहित) एम एस वर्ड प्रारूप में synthesis.cgs@gmail.com पर प्रेषित किया जा सकता है।

प्रेषण सीमारेखा:

लेख प्रेषित करने की अंतिम तिथि मंगलवार, 14 दिसंबर 2021 है।

संपर्क:

पत्रिका अथवा लेख के संबंध में किसी भी पूछताछ के लिए संपादक मंडल – synthesis.cgs@gmail.com / +91-11-27666281 से संपर्क स्थापित किया जा सकता है।

संपादक मंडल

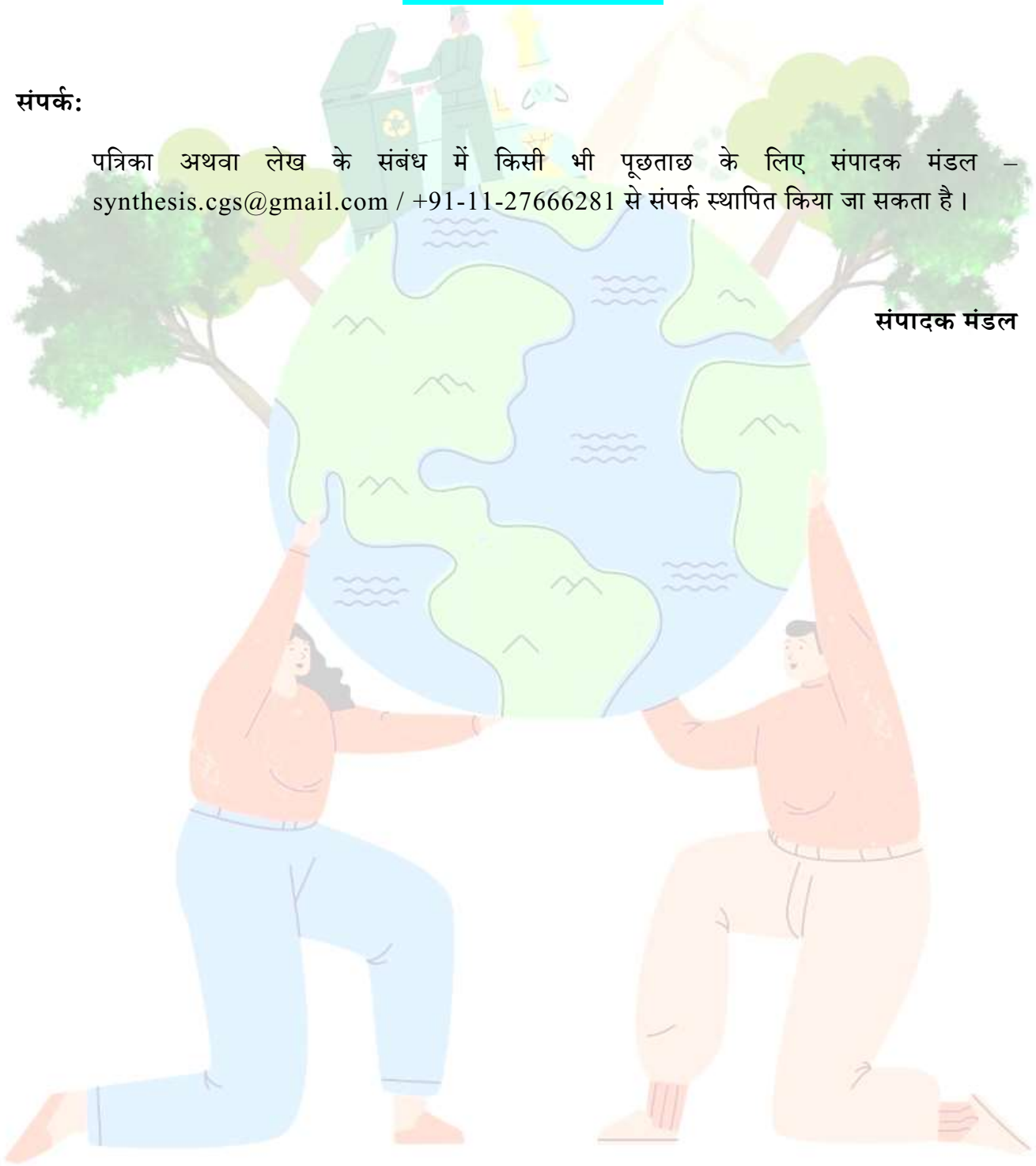

घोषणा

मैं / हम _____

यह घोषणा करते हैं कि मेरा / हमारा यह लेख जिसका शीर्षक _____

है, पूर्ण रूप से मौलिक है। यह लेख अन्यत्र न तो प्रकाशित हुआ है तथा न ही प्रकाशन के लिए अन्यत्र प्रेषित किया गया है।

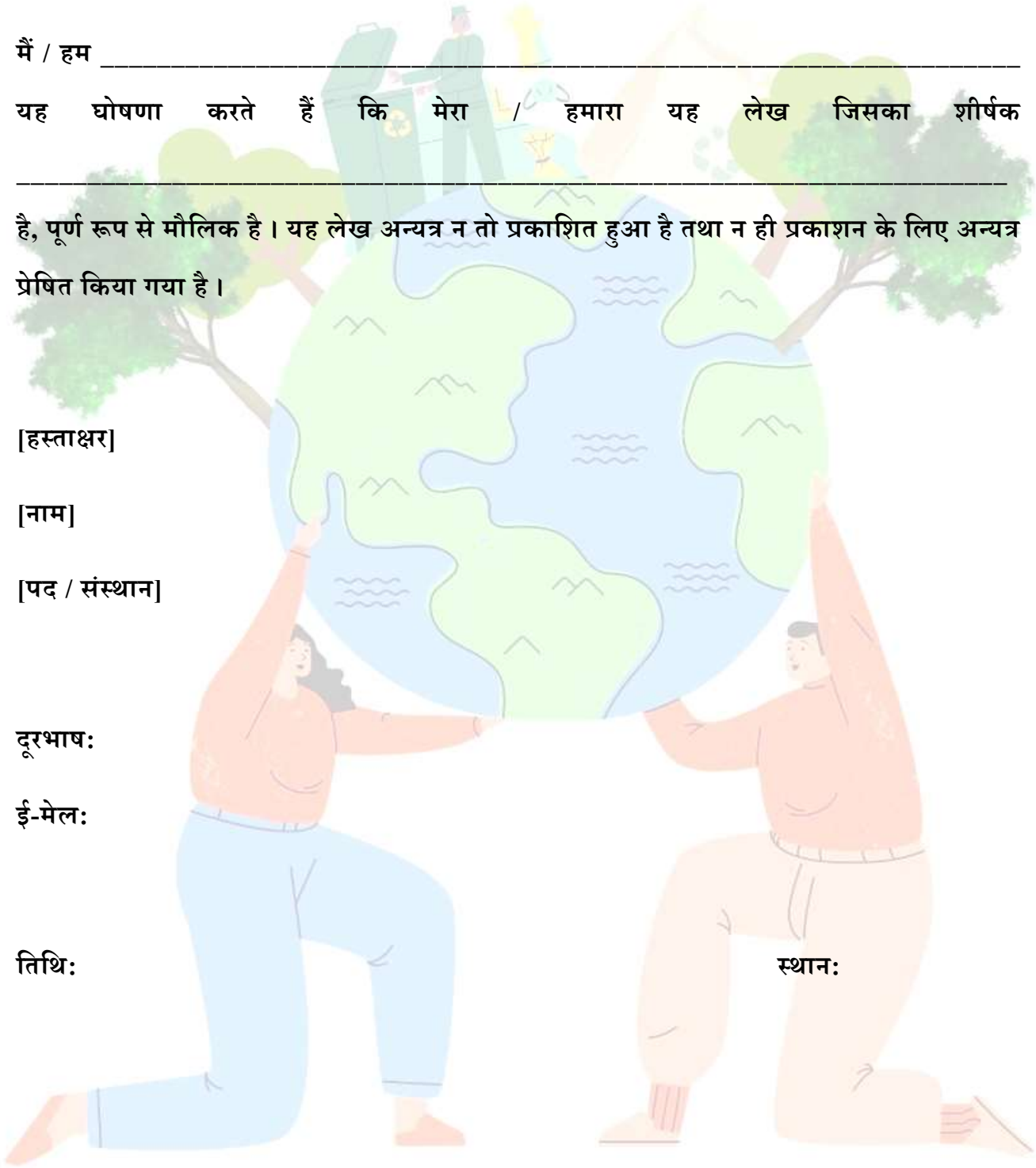

[हस्ताक्षर]

[नाम]

[पद / संस्थान]

दूरभाष:

ई-मेल:

तिथि: **स्थान:**